

MILAN अभ्यास- 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

MILAN अभ्यास- 2024 हाल ही में **INS विक्रान्त** के लिये आयोजित समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ, जो **वशिखापत्तनम** में समुद्री चरण के अंत का प्रतीक है।

MILAN- 2024 क्या है?

- **MILAN 2024** पूर्वी नौसेना कमान के तत्त्वावधान में वशिखापत्तनम में आयोजित द्विवार्षिक **बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास** का 12वाँ संस्करण है।
 - MILAN का केंद्रीय उद्देश्य मतिरवत नौसेनाओं के बीच पेशेवर संपर्क को बढ़ाना और समुद्र में बहुपक्षीय बड़ी सेना के संचालन में अनुभव प्राप्त करना है।
 - इसका प्रारंभ **वर्ष 1995** में **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में हुई। इस संस्करण में **इंडोनेशिया, संगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड** की नौसेनाओं ने भाग लिया।
- वर्ष 2024 के अभ्यास में दो चरण शामिल थे:
 - **हारबर चरण** में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सेमिनार, शहर परेड, तकनीकी प्रदर्शनियाँ, विशेषज्ञ आदान-प्रदान, युवा अधिकारी सभाएँ और खेल कार्यक्रम शामिल हैं।
 - अंतरराष्ट्रीय समुद्री सेमिनार का विषय था '**महासागरों में भागीदार: सहयोग, तालमेल, विकास**'
 - **समुद्री चरण** में मतिर राष्ट्रों, भारतीय नौसेना के वाहक और अन्य इकाइयों के जहाजों तथा विमानों की भागीदारी शामिल है।

भारतीय नौसेना से संबंधित हालिया प्रमुख विकास क्या हैं?

- **नए जहाजों का नयोजन:**
 - **INS विक्रान्त:** भारत का पहला स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत, रक्षा वनिरिमाण में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक प्रमुख मील का पत्थर।
 - **INS मोरमुगाओ:** एक स्टीलथ गाइडेड-मिसाइल वधिवंसक, सतह-वरीधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिये **प्रोजेक्ट-15B** का हिस्सा।
 - **INS वागीर:** एक नई **कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी**, जो नौसेना की पानी के नीचे की शक्ति को बढ़ाती है।
 - **IINS संध्याक:** यह हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया पहला सर्वे वेसल लार्ज (SVL) जहाज है।
- **हाल के अधिग्रहण कार्यक्रम:**
 - **प्रोजेक्ट 17A फ्रिगट्स:** स्वदेशी शिपयार्डों में निर्माणाधीन उन्नत स्टीलथ फ्रिगट्स।
 - **प्रोजेक्ट 75I पनडुब्बियाँ:** उन्नत स्टीलथ और मारक क्षमता वाली छह स्वदेशी रूप से डिज़ाइन की गई पनडुब्बियों के निर्माण का कार्यक्रम।
- **पनडुब्बी बचाव प्रगति:**
 - भारतीय नौसेना द्वारा वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में यूनाइटेड किंगडम से उन्नत **डीप सबमर्जेस रेस्क्यू व्हीकल्स (DSRV)** का अधिग्रहण, पनडुब्बी बचाव क्षमताओं को बढ़ाता है।
 - केवल 12 देशों के पास यह विशिष्ट तकनीक है और भारत उनमें से एक है जो इसके रणनीतिक महत्त्व को उजागर करती है।
 - इसके अतिरिक्त हद्दिसतान शिपयार्ड लमिटिड, वशिखापत्तनम द्वारा दो देशज रूप से निर्मित **डाइविंग सपोर्ट वेसल्स (DSV)** परस्तुत किये गए जो पनडुब्बी बचाव अभियान की क्षमता में वृद्धिकरते हैं।
 - DSRV प्रणाली उन्नत सोनार प्रौद्योगिकी और रमिंटली ऑपरेटेड व्हीकल्स का उपयोग कर 1,000 मीटर की गहराई तक पनडुब्बियों का पता लगाने में सक्षम है।

नोट: भारतीय नौसेना ने हाल ही में घोषणा की कि उसने 900 किलोमीटर की दूरी से **ब्रह्मोस मिसाइल** का उपयोग कर भूमि आधारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक नशाना बनाया।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित टर्मिनल हाई ऑल्टिट्यूड एरिया डफेंस (THAAD) क्या है? (2018)

- (a) इजरायल की एक रडार प्रणाली
- (b) भारत का घरेलू मिसाइल प्रतिरोधी कार्यक्रम
- (c) अमेरिकी मिसाइल प्रतिरोधी प्रणाली
- (d) जापान और दक्षिण कोरिया के बीच एक रक्षा सहयोग

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत ने नमिनलखिति में से किससे बराक मिसाइल रोधी रक्षा प्रणाली खरीदी है? (2008)

- (a) इजरायल
- (b) फ्रांस
- (c) रूस
- (d) अमेरिका

उत्तर: (a)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन सा 'INS अस्त्रधारिणी' का सबसे अचछा वविरण है, जो हाल ही में खबरों में था? (वर्ष 2016)

- (A) उभयचर युद्ध पोत
- (B) परमाणु संचालित पनडुबबी
- (C) टॉरपीडो लॉन्च और रकिवरी वेसल
- (D) परमाणु संचालित वमिन वाहक

उत्तर: (C)

- INS अस्त्रधारिणी एक स्वदेश निर्मित टॉरपीडो लॉन्च और रकिवरी वेसल है। इसे 6 अक्टूबर, 2015 को कमीशन किया गया था।

अतः विकल्प (C) सही उत्तर है।